साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 | अंक : 17 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

दुर्घटना में 2 युवक घायल

गोंदिया -आमगांव तहसील के ग्राम बनगांव में दुर्घटना में बनगांव निवासी सतीश मेश्राम (26) व अनिल फुंडे घायल हो गए. उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. जहां उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

असर बुलंद गोंदिया न्यूज़ का

टाउन स्कूल परिसर से नगर परिषद प्रशासन ने कचरा उठाना किया शुरू

बुलंद गोंदिया। गोंदिया नगर परिषद प्रशासन द्वारा शहर के मध्य स्थित नगर परिषद कार्यालय से लगे टाउन स्कूल परिसर को डंपिंग यार्ड बनाकर शहर से निकलने वाला कचरा डालना शुरू कर दिया था जिसकी खबर बुलंद गोंदिया में प्रकाशित होते ही नगर परिषद प्रशासन हरकत में आकर टाउन स्कूल परिसर से कचरा उठाने का कार्य शुरू कर दिया। गौरतलब है की गोंदिया नगर परिषद द्वारा स्वच्छता पर स्वच्छ भारत व स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान के तहत प्रतिमाह लाखों रुपए का खर्च कर सफाई का कार्य किया जा रहा है, किंतु घन कचरा प्रकल्प की समस्या का निराकरण नहीं होने से आए दिन कचरा डालने की समस्या निर्माण हो रही है। गत कुछ वर्षों से गोंदिया शहर से निकलने वाले कचरे को गोरेगांव के हिरड़ामाली स्थित एमआयडीसी में एक निजी घन कचरा प्रकल्प एजेंसी को दिया जा रहा है। लेकिन समय-समय पर ग्रामीणों के विरोध के चलते घन कचरा प्रकल्प में शहर का कचरा नहीं जा पाता इस कारण नगर परिषद प्रशासन द्वारा शहर में कहीं भी डंप किया जाता है। तथा गत कुछ समय से नगर परिषद कार्यालय से लगी शहर के मध्य स्थित टाउन स्कूल परिसर को ही डंपिंग यार्ड बनाकर कचरा डालना शुरू कर दिया था जिससे शहर में गंदगी वह बदबू का वातावरण निर्माण होने के साथ ही शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा

निर्माण होने लगा था। इस गंभीर मुद्दे को बुलंद गोंदिया द्वारा प्रकाशित कर प्रशासन को जगाने का कार्य किया जिस पर नगर परिषद प्रशासन द्वारा टाउन स्कूल परिसर में डाला गया कचरा घंटा गाड़ियों के माध्यम से उठाकर निजी घनकचरा प्रकल्प भेजने का कार्य शुरू किया है। लेकिन अब भी प्रश्न वही निर्माण हो रहा है कि क्या नगर परिषद प्रशासन द्वारा शहर की इस गंभीर समस्या का स्थाई हल कब तक निकल जाएगा वह बार-बार नागरिकों को होने वाली परेशानियों से निजात कब मिलेंगे।

महाराष्ट्र- छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित सिरपुर बांध चेक पोस्ट पर एंट्री के नाम पर होने वाली अवैध वसूली को रोके - सुनील मिश्रा

बुलंद गोंदिया। (**संवाददाता देवरी**)- महाराष्ट्र -छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित सिरपुर बांध में राज्य परिवहन विभाग (आरटीओ) की चेक पोस्ट पर एंट्री के नाम पर वाहन चालकों से बड़े पैमाने पर प्रतिदिन अवैध रूप से वसूली की जा रही है। इस वसूली पर लगाम लगा कर दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग का निवेदन देवरी तहसील शिवसेना उद्धव ठाकरे गट के तहसील प्रमुख सुनील मिश्रा द्वारा मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार देवरी को दिया । गौरतलब है की महाराष्ट्र- छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित आरटीओ चेक पोस्ट पर एंट्री के नाम पर माल वाहक वाहन चालकों से प्रतिदिन अवैध रूप से वसूली की जाती है जो लाखों रुपए प्रतिदिन की होती है। उपरोक्त चेक पोस्ट से रोज 6 से 8 हजार वाहनों का आना

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

आवागमन होता है। उपरोक्त चेक पोस्ट पर करीब 8 से 10 परिवहन निरीक्षकों की ड्यूटी लगती है तथा प्रत्येक निरीक्षक 48 घंटे ड्यूटी करता है साथ ही ड्यूटी करने वाले निरीक्षक अपने साथ 4 से 5 निजी लोगों को लाकर उनके माध्यम से चेक पोस्ट से आवागमन करने वाले माल वाहक वाहन ट्रक, टिप्पर वह बड़े वाहनों से एंट्री के नाम पर 200झ 300झ 500 झ1000 रुपए की अवैध रूप से वसूली करते हैं। आरटीओ विभाग की इस अवैध वसूली के संदर्भ में अनेकों बार शिकायत की गई है लेकिन अब तक अब भी यह वसूली का गोरखधंधा बंद नहीं हुआ है। विशेष यह है कि इस वसूली में प्रतिदिन 10 से 15 लाख रुपए की रकम जमा होती है। तथा शासन को प्रतिमाह करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन किया जाता है कि महाराष्ट्र -छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित आरटीओ चेक पोस्ट की जांच कर ट्रक चालको-मालको से होने वाली अवैध वसूली को रोका जाए। निवेदन की प्रति राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ,अजीत पवार, विधान परिषद विरोधी पक्ष नेता अंबादास दानवे, विधानसभा विरोधी पक्ष नेता विजय वडेट्टीवार ,जिले के पालक मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम ,गोंदिया जिलाधिकारी, पुलिस अधिक्षक, जिला परिवहन अधिकारी के साथ-साथ भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग को भी प्रेषित की गई है। निवेदन देते समय प्रतिनिधि मंडल में देवरी तहसील शिवसेना उद्धव ठाकरे गट के सुनील मिश्रा, शहर प्रमुख राजा भाटिया, उप तहसील प्रमुख डालचंद मडावी के साथ बड़ी संख्या में शिव सैनिक उपस्थित थे।

लाखों रुपये लेकर फरार आरोपी सुभाष मेश्राम की पुलिस कर रही सरगर्मी से तलाश

बुलंद गोंदिया। सिम इंडिया प्राइवेट इंफ्राब्युल्ड प्रा. कंपनी और स्स्त्र ग्रुप प्रा. लि. कंपनी के नाम से अनेक लोगों से लाखों रुपये लेकर व कंपनी के नाम से दुगने रुपये देने का चेक देकर 1 करोड़ 2 लाख 40 हजार की धोखाधड़ी कर पिछले 1 साल से फरार आरोपी सुभाष बंडू मेश्राम की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। आरोपी सुभाष मेश्राम उम्र 34 वर्ष, निवासी अंगूर बगीचा, गजानन कॉलोनी, गोंदिया ने वर्ष 2022 में फिर्यादि शेखर बनाफर व अन्य लोगो को ज्यादा रकम देने का विश्वास जताकर लाखो रुपये

ऐंठे थे। तथा ज्यादा रकम देने का चेक देकर तब से फरार हो गया था इस धोखाधड़ी के मामले पर गोंदिया शहर के रामनगर थाने में भादवि की धारा 406, 420 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी की पकड़ हेतु पोस्टर बनाकर सभी आसपास के थाना क्षेत्रो में सूचित कर दिया है। आरोपी की उम्र तकरीबन 34 साल, रंग सांवला, चेहरा गोल, कद 5 फुट 7 इंच है। उसकी फोटो जारी कर पुलिस के फोन नंबर 07182-231386, 8108181864, 9371931371 पर सूचित करने की जानकारी दी है

विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव तक सरकारी योजनाओं की जनजागृति मोबाइल एलईडी वाहनों के माध्यम से प्रचार-प्रसार

बुलंद गोंदिया। केंद्र सरकार ने विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है, जिसमें भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं को लक्षित लाभार्थियों तक केंद्रित करना शामिल है। जिले के गांव-गांव जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने वाले मोबाइल एलईडी वाहनों को जिलाधिकारी कार्यालय से गणमान्य व्यक्तियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंढे,जिप सभापती संजय टेंभरे, पूजा सेठ, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) गोविंद खामकर, कार्यकारी अभियंता (ग्रामीण जल आपूर्ति) सुमित बेलपात्रे, नाबार्ड प्रबंधक अविनाश लाड, मत्स्य पालन विभाग की सहायक आयुक्त चित्रांगना सलामे, जिला विज्ञान सूचना अधिकारी पंकज गजभिए, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, आकाशवाणी गोंदिया प्रभारी मुकेश डोंगरे, आरसीईटी प्रबंधक राहुल गणवीर व अन्य उपस्थित थे। प्रचार अभियान में सरकार की विभिन्न योजनाओं को उन लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा जो अब तक विकास की धारा में नहीं आ पाए हैं। सभी आम लोगों के विकास के लिए

विभिन्न विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। इस अभियान में सुदूरवर्ती इलाकों के हर गांव में लाभार्थियों का चयन करने की योजना है, जिन्हें अब तक कोई योजना नहीं मिली है और उन्हें उन योजनाओं का लाभ दिया जायेगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है और इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार प्रयासरत हैं. उज्ज्वला, आयुष्मान भारत आरोग्य बीमा योजना जैसी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। चार मोबाइल वाहन जिले के हर गांव में जाकर जनजागृति करेंगे ।

कुल 34 फ्लैगशिप (महत्वाकांक्षी) योजनाएं, 17 शहरी क्षेत्रों के लिए और 17 ग्रामीण क्षेत्रों के लिए, इस चार्ट पर फ्लेक्स रूप में चित्रित की गई हैं। इसके साथ ही योजनाओं की जानकारी वाली मुद्रित सामग्री भी उपलब्ध करायी जायेगी. स्मार्ट सिटी मिशन के संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक कुणाल कुमार, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल ने नागरिकों एवं लाभार्थियों से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले इस अभियान में भाग लेकर जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

योजना ग्रामीण क्षेत्र- आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, पीएम आवास योजना ग्रामीण, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान योजना, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल जल जीवन मिशन, स्वामित्र योजना, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना और नमो फर्टिलाइजर योजना।

योजनाएँ शहरी - पीएम स्वनिधि, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा ऋण योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत अभियान, पीएम ई-बस सेवा, अमृत योजना, भारतीय जन सौधि परियोजना, उजाला योजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, उड़ान और वंदे भारत ट्रेन और अमृत भारत स्टेशन योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं।

प्रेम प्रकरण को लेकर हुए विवाद में मित्र की हत्या हमलावर भी गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया। रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कुड़वा के आंबेडकर चौक में प्रेम प्रकरण को लेकर 27 नवंबर की मध्य रात 1.00 बजे के दौरान मित्रों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक मित्र की मौत हो गई वहीं दूसरा हमलावर मित्र भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुड़वानिवासी मृतक युवक प्रज्वल अनिल मेश्राम उम्र 21 वर्ष वह आरोपी संकेत बोरकर न्यू लक्ष्मी नगर निवासी व आदेश भगत उर्फ बाबू यह आपस में मित्र थे। तथा मृतक का हमलावर आरोपी की बहन के साथ कुछ दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिस पर आरोपी द्वारा उसे बार-बार मना करने के बावजूद मृतक उसकी बहन के साथ मोबाइल पर बात करना वह मिलना शुरू रखा था। इसी बात को लेकर पहले भी उनके बीच विवाद हुआ था। घटना के दिन भी इसी बात को लेकर देर रात आरोपियों द्वारा मृतक को घर से बाहर बुलवाया तथा इसी बात को लेकर तीनों के बीच विवाद हो गया जिस पर एक दूसरे पर घातक शास्त्र से हमला कर दिया जिसमें प्रज्वल की मौत हो गई तथा हमलावर आरोपी मित्र संकेत बोरकर भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिनकी स्थिति चिंताजनक होने पर आगे के उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया वहीं दूसरा आरोपी आदेश भगत मामूली रूप से जख्मी हुआ जिसका उपचार गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में किया गया। उपरोक्त घटना की जानकारी रामनगर पुलिस थाने के निरीक्षक संदेशकेंजले को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की वह फरियादी मृतक के मौसी के बेटे की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बेमौसम बारिश से नुकसानग्रस्त किसानों को दे तत्काल मदद गोंदिया जिला राकांपा की मांग

गोंदिया जिले में 1.90 लाख हेक्टेयर में धान की फसल उगाई जाती है और वर्तमान में जिले के किसान बड़े पैमाने पर दालें, सब्जियां, बगीचे और अन्य फसलें उगा रहे हैं। लेकिन पिछले दो दिनों से पूरे जिले में बेमौसम बारिश हो रही है और प्रकृति के प्रकोप से किसानो पर संकट आगया हैं। सरकार इस संकट की घड़ी में किसानों को आर्थिक सहायता दे इसके लिए सांसद प्रफुल्ल पटेल के निर्देशानुसार एवं पूर्व विधायक श्री राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री महाराष्ट्र शासन को जिलाधिकारी गोंदिया के माध्यम से निवेदन दिया गया । यह निवेदन जिला अध्यक्ष परशुरामकर यशवन्त गणवीर, बालकृष्ण पटले, किशोर तरोणे, लोकपाल गहाणे, नीरज उपवाशी, माधुरी नासरे, कुंदा डोनोड, रुचिता चव्हाण, नरहर प्रसाद मस्करे, दिलीप डोंगरे, नितिन टेंभरे, शैलेश वासनिक, सुनील पटले, अर्जुन मेश्राम, प्रमोद कोसरकर के प्रतिनिधिमंडल की ओर से दिया गया। निवेदन में मांग की गयी की जिले में पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश के कारण हजारों किसानों की धान, सब्जियां, बगीचे, मक्का समेत खरीफ सीजन की अन्य फसलें बड़े पैमाने पर बर्बाद हो गयी हैं. धान की कटाई, धान की भूसी, चना, गेहूं, मक्का, गेहूं, अरहर और धान की कटाई के बाद बोई गई अन्य दालों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। साथ ही फसल कटाई के बाद खेतों मेंकटी फसल को भी नुकसान पहुंचा है सरकार जिलाधिकारी के माध्यम से इन सभी का पंचनामा बनाकर संकट में फंसे किसानों की मदद करनी चाहिए।

निर्मला मिश्रा भाजपा महिला अध्यक्ष व चिकित्सक आघाड़ी पद पर डॉक्टर तेजराम येड़े की नियुक्ति

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर भाजपा की सभा पूर्व विधायक गोपाल दास की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी इस अवसर पर शहर भाजपा अध्यक्ष अमित झा द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें शहर भाजपा महिला अध्यक्ष के रूप में निर्मला दिलीप मिश्रा जिला चिकित्सा आघाड़ी के गोंदिया शहर अध्यक्ष पद पर डॉक्टर तेजराम येड़े की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर गोंदिया जिला भारतीय जनता पार्टी गोंदिया जिला समन्वयक राजकुमार नोतानी, पूर्व भाजपा महिला

मोर्चा अध्यक्ष निर्मला दिलीप मिश्रा, शंभू शरण ठाकुर, मनोहरआसवानी, शिव गोपाल बडगूजर, महेश आहूजा, अशोक चौधरी, जयंत शुक्ला की विशेष उपस्थित आयोजित सभा में सर्वप्रथम 26झ 11 के मुंबई हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उसके पश्चात गोंदिया शहर भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न आघाड़ियों के अध्यक्षों की घोषणा पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल की अनुमति से शहर अध्यक्ष अमित झा द्वारा की गई। निर्मला दिलीप मिश्रा वह डॉक्टर तेजराम येड़े की नियुक्ति होने पर भाजपा कार्यकारिणी व मित्र परिवार द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दी गई।

बंद घर से उड़ाया 18,000 का माल

गोंदिया -शहर थाने के तहत प्रगति कॉलोनी, गोंदिया निवासी सुभाषसिंह ठानसिंह चौहान (48) अपने घर को ताला लगाकर शिर्डी, नाशिक दर्शन को गया था. इसका फायदा उठाकर अज्ञात व्यक्ति ने घर का ताला तोड़कर 10,000 कीमत की एलसीडी, 2 ग्राम सोने की नथ कीमत 8,000 मिलाकर कुल 18 हजार रुपए का माल चुरा लिया.

संपादकिय...

मिथकों का मोल

NCERT की सात सदस्यों वाली उच्चस्तरीय समिति ने हाल ही में सिफारिश की है कि सातवीं से 12वीं तक के बच्चों को सोशल साइंस के सिलेबस के तहत रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य पढ़ाए जाने चाहिए। NCERTकी सात सदस्यों वाली उच्चस्तरीय समिति ने हाल ही में सिफारिश की है कि सातवीं से 12वीं तक के बच्चों को सोशल साइंस के सिलेबस के तहत रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य पढ़ाए जाने चाहिए। हालांकि इस आशय की सिफारिशें पहले भी दी गई हैं। समिति ने भी माना है कि कुछ एजुकेशन बोर्ड स्टूडेंट्स को रामायण पढ़ाते हैं, लेकिन वहां इन्हें मिथक के रूप में पढ़ाया जाता है। अगर समिति की सिफारिशों को मान लिया गया तो स्कूलों में स्टूडेंट्स को इतिहास की कक्षा में रामायण और महाभारत पढ़ाई जा सकती है। लेकिन इतिहास और मिथक के बीच की सीमा का इस तरह धुंधला होना कोई अच्छी बात नहीं कही जाएगी। इसके कई तरह के नुकसान आगे चलकर देखने को मिल सकते हैं। भारतीय समाज में मिथकों की बड़ी खास जगह रही है। मिथकीय कहानियां हमारे रोजमर्रा के जीवन, रहन-सहन और बोलचाल का अभिन्न हिस्सा रही हैं। इतिहास इस लिहाज से एक रूखा विषय है कि इसमें घटनाओं, लड़ाइयों और तारीखों का अंतहीन ब्योरा अक्सर इसे सिरदर्द बना देता है। छात्रों के लिए तो यह एक कठिन विषय हो ही जाता है, एक समाज के रूप में भी भारत में इतिहास के इस रूप को ज्यादा तरजीह नहीं मिली। घटनाओं के ब्योरों में जाने के बजाय कहानियों के रूप में उन घटनाओं से निकले सबकों और मूल्यबोध को स्थायी रूप देना यहां ज्यादा जरूरी माना गया। संभवतः इसी का परिणाम है कि एक समाज के रूप में हम घटनाक्रम और उसके कारण शक्ति समीकरणों में आने वाले तात्कालिक बदलावों के ब्योरों पर दृष्टि जमाए रखने के बजाय जीवन को गति देने वाले उदात्त और सनातन मूल्यों को कहानियों में पिरोकर उन्हें सुरक्षित रखने पर ज्यादा ध्यान दे सके। यही वजह है कि वे मिथक आज भी हमारे जीवन, आचरण और मूल्यबोध को स्वरूप देने में इतनी अहम भूमिका निभाते हैं, जितनी दुनिया के शायद ही किसी समाज में निभाते हों। इन सबके बावजूद इन्हें इतिहास का हिस्सा बनाने से परहेज करना जरूरी है। औपचारिक तौर पर इतिहास लिखने और उसका अध्ययन करने की प्रवृत्ति पश्चिम की देन है। उनका कहना है कि आगे बढ़ने के लिए अतीत की गलतियों से सबक लेना जरूरी है। लेकिन व्यवहार में अतीत पर पर ज्यादा जोर हमारी समझ को परिपक्व बनाने के बजाय पुराने हिसाब-किताब बराबर करने की भावना से लैस करके ज्यादा हिंसा की ओर ले जाता है। मतलब यह नहीं कि एक विषय के रूप में इतिहास को पढ़ना या समझना गलत है। लेकिन इसका अध्ययन करते हुए वस्तुपरकता, एक तरह की तटस्थ दूरी बरतने की तमीज जरूरी है ताकि अतीत की परछाईं हमारे वर्तमान और भविष्य के तकाजों को धुंधला न करने लग जाए।

नए ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल का प्रारूप तैयार,यूट्यूब पर पत्रकारों व ब्लॉगर्स के न्यूज चैनल भी दायरे में होंगे

ओटीटी की फिल्मों-सीरीज पर भी सेंसरशिप लागू होगी

बुलंद गोंदिया (नई दिल्ली)- केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय ने नए ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल का प्रारूप तैयार किया है। जल्द ही अमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स, डिज्नी हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म भी सेंसरशिप के दायरे में होंगे। इसमें ओटीटी, सैटेलाइट केबल टीवी, डीटीएच, आईपीटीवी, डिजिटल न्यूज और करेंट अफेयर्स आदि के लिए भी नए नियम बनाए जा रहे हैं। इसके बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क ऑपरेटर कहलाएंगे। यदि कोई ऑपरेटर या ब्रॉडकास्टर नियमों को नहीं मानता है, तो सरकार उस कंटेंट को संशोधित करने, डिलीट करने या तय घंटों तक ऑफ एयर रहने से लेकर संबंधित प्लेटफॉर्म पर पाबंदी भी लगा सकती है।

धाराए आर तान शड्यूल ह। यह ाबल कानून बनने पर मौजूदा केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (रेगुलेशन) एक्ट, 1995 और प्रसारण से जुड़े दूसरे दिशा-निर्देशों की जगह लेगा। केंद्र सरकार ने इस मसौदे पर 9 दिसंबर तक सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

असर; कड़े कानूनों से लागत बढ़ेगी, सब्सक्रिप्शन - फीस बढ़ सकती है.

यूट्यूब पर पत्रकारों व ब्लॉगर्स के न्यूज चैनल भी दायरे में होंगे

न्यूज या करेंट अफेयर्स पर यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर अपना चैनल चलाने वाले स्वतंत्र पत्रकारों-ब्लॉगर्स पर भी शिकंजा कसेगा। ऑनलाइन पेपर, न्यूज पोर्टल, वेबसाइट आदि पर असर होगा, पर पेशेवर-व्यावसायिक न्यूजपेपर्स और उनके ऑनलाइन संस्करण दायरे से बाहर रखे गए हैं।

ऐसे करेंगे निगरानी; ओटीटी पर नियम नहीं माने तो ?5 लाख दंड व पाबंदी तक संभव

ओटीटी आदि पर प्रसारित कंटेंट पर नजर रखने के लिए ब्रॉडकास्टिंग एडवाइजरी काउंसिल (बीएसी) बनेगी। यह कोड के उल्लंघन के मामले में केंद्र को सिफारिश भेजेगी। इसमें मीडिया के 25 साल के अनुभव वाला व्यक्ति चेयरमैन होगा और 5 सरकारी व पांच गैर-सरकारी संभ्रांत नागरिक सदस्य होंगे। कोड का उल्लंघन हुआ तो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अस्थायी निलंबन, सदस्यता से निष्कासन, सलाह, चेतावनी, निंदा या 5 लाख रु. तक का दंड संभव। **केबल टीवी पर 7**+ से ए श्रेणी तक के प्रोग्राम भी दिखा सकेंगे जैसा कंटेंट अभी तक ओटीटी चैनल पर उपलब्ध है, वह सैटेलाइट केबल नेटवर्क के चैनल पर भी मिलेगा। अभी उस पर सीबीएफसी प्रमाणित फिल्में ही दिखाई जा सकती हैं। भकिय में वहां भी ओटीटी की तरह यू, 7+, 13+, 16+ से लेकर एश्रेणी के प्रोग्राम भी प्रसारित हो सकेंगे।

एक्सपर्ट; ओटीटी के लिए थ्री लेयर सेल्फ रेगुलेशन सिस्टम

ओटीटी के लिए थ्री लेयर सेल्फ रेगुलेशन सिस्टम होगा। अपने स्तर पर कंटेंट इवैल्यूएशन कमेटी (सीईसी) बनानी होगी। सीईसी सर्टिफाइड प्रोग्राम ही दिखा सकेंगे। इसका आकार व ऑपरेशन डिटेल सरकार तय करेगी। एक एसोसिएशन होगा, जिसमें 15-20 ओटीटी ऑपरेटर होंगे। तीसरा, शिकायतें सुनने के लिए ग्रीवेंस रिड्रेससल ऑफिसर भी जरूरी।

विकास परियोजनाओं से जुड़े श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता से चिंतन करने की जरूरत

सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने में आखिरकार कामयाबी मिल ही गई। सत्रह दिनों से इकतालीस मजदूर उसमें फंसे थे। शुरू में लगा था कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है और जल्दी उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। मगर जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है।

सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां खड़ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया।

उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां खड़ी हो गईं। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। उसमें एक चौड़ी पाइप डाली गई और उसके रास्ते ट्राली की मदद से उन्हें बाहर निकालने का उपाय किया गया। स्वाभाविक ही इस घटना पर पूरे देश की नजरें लगी रहीं और श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे।

सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई। अड़चनें पेश आती रहीं, पर हर मुश्किल से पार पाने के उपाय तलाशे जाते रहे। दूसरे देशों के सुरंग विशेषज्ञों से भी सलाह लेने में देर नहीं की गई।

रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार लगातार इस पर नजर बनाए रहीं तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला बढ़ाती रहीं। मगर इसमें सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे। कई दिन बाद जब उन तक कैमरा पहुंचाया जा सका और उन सभी मजदूरों के सुरक्षित होने की सूचना मिली तो बचाव दल का उत्साह और बढ़ गया।

इस पूरे राहत और बचाव कार्य में जितनी बड़ी कामयाबी विशेषज्ञों की रही उससे बड़ी कामयाबी श्रमिकों के हौसले की थी। इतने दिन किस तरह के भय और आशंकाओं के बीच उन्होंने सुरंग में अपने को जिंदा रखा, यह बड़े जीवट का उदाहरण है। इस विषम परिस्थिति में भी वे जीवन से निराश नहीं हुए। यों भी पहाड़ों पर ठंड रहती है, फिर दिवाली के बाद लगातार ठंड बढ़ती गई, उसमें उन्होंने किस तरह इतने दिन बिताए होंगे, सोच कर सिहरन होती है।

निस्संदेह यह श्रमिकों के हौसले की जीत है। मगर इस घटना के बाद जो एक बड़ा प्रश्नचिह्न विकास परियोजनाओं के सामने लग गया है, उस पर संजीदगी से सोचने का भी यह एक बड़ा मौका है। निश्चित रूप से सिलक्यारा सुरंग बनाने वाली कंपनी को इस तरह के काम का लंबा अनुभव है, मगर श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर जरूरी उपाय जुटाने के मामले में उससे गंभीर लापरवाही हुई, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

वायु प्रदूषण और खराब वायु गुणवत्ता मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक - डॉ. नितिन वानखेड़े

बुलंद गोंदिया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.नितिन वानखेड़े ने बताया कि आमतौर पर नवंबर से फरवरी के बीच सर्दियों के कारण प्रदूषित हवा और धूल हवा में रहती है और हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है और यह प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

वायु प्रदूषण-

वायु प्रदूषण गैसों और ठोस कणों द्वारा घर के अंदर या बाहर की हवा का संदूषण है जो हमारे द्वारा सांस लेने वाली हवा की प्राकृतिक विशेषताओं को बदल देता है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मुख्य प्रदूषकों में पार्टिकुलेट मैटर (क्रू2.5 और क्रू10), कार्बन मोनोऑक्साइड (ष्टह्र), ओजोन (03), ब्लैक कार्बन , सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड (हह्र) शामिल हैं। जिला महामारी विज्ञान अधिकारी डॉ. ने कहा, वायु प्रदूषण अक्सर नग्न आंखों से अदृश्य होता है क्योंकि प्रदूषकों का आकार मानव आंखों से छोटा होता है डॉ निरंजन अग्रवाल।

प्रदूषण के प्रमुख स्रोत क्या हैं-

1) परिवेशी (बाहरी) वायु प्रदूषण- वाहन निकास, सड़क की धूल, निर्माण धूल, कचरा जलाना, कृषि फसल अवशेष जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधन से चलने वाले थर्मल पावर प्लांट और ईंट भट्टे, घरेलू बायोमास जलाना, पटाखे आदि। कारणों से. घरेलू वायु प्रदूषण लकड़ी, कोयला, गोबर, जैव ईंधन को स्टोव में जलाने या खाना पकाने और पानी गर्म करने के लिए जलाने से होता है। जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ.सुशांकी कापसे ने बताया कि घर के अंदर वायु प्रदूषण मच्छर भगाने वाली कॉइल, अगरबत्ती, सिगरेट, बीड़ी, स्प्रे, सॉल्वैंट्स और इमारतों के अंदर इस्तेमाल होने वाले रसायनों के धुएं के कारण होता है।

हवा की गुणवत्ता

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) वायु प्रदूषकों के परिवेशीय सांद्रता मूल्यों पर आधारित एक उपकरण है और इसे अच्छे, संतोषजनक, मध्यम प्रदूषित खराब, बहुत खराब और गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ने कहा कि क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक की गिरावट, खासकर जब यह खराब से गंभीर श्रेणी में हो, संक्रमित लोगों में रुग्णता और मृत्यु दर को बढ़ा सकती हैडॉ दिनेश सुतार ।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (प्रदूषण स्तर) को इस प्रकार विभाजित किया गया है।

1) अच्छा (0 से 50) 2) संतोषजनक (51 से 100) 3) मध्यम (101 से 200) 4) ख़राब (201 से 300) 5) बहुत खराब (301 से 400) 6) गंभीर (401 से 500)

निम्नलिखित लोगों को वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति संवेदनशील माना जा सकता है -

1. आयु समूह- पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे और वृद्ध व्यक्ति ।2. गर्भवती महिलाएं- गर्भावस्था के दौरान प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से अजन्मे बच्चे पर असर पड़ सकता है ।3. पुरानी बीमारियों वाले व्यक्ति- जिन्हें श्वसन और हृदय प्रणाली की पहले से मौजूद बीमारियाँ हैं उन्हें अधिक खतरा है। 4. सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ - जो लोग खाना पकाने, हीटिंग और प्रकाश व्यवस्था के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते हैं, वे अधिक जोखिम में हैं, जिनकी पोषण स्थिति खराब है और जो गरीबी के कारण खराब आवास स्थितियों में रहने के लिए मजबूर हैं।

5. व्यावसायिक समूह - यातायात पुलिस, यातायात स्वयंसेवक, निर्माण श्रमिक, सड़क सफाई कर्मचारी, रिक्शा चालक, सड़क किनारे विक्रेता और प्रदूषित वातावरण में बाहर काम करने वाले अन्य लोग उच्च जोखिम में हैं। जो महिलाएं खाना पकाने के लिए बायोमास (गोबर/लकड़ी) जलाती हैं, वे घरेलू काम के प्रति असुरक्षित होती हैं।

वायु गुणवत्ता सूचकांक से गड़बड़ी-

उच्च स्तर के वायु प्रदूषण के अल्पकालिक संपर्क से खांसी, घरघराहट, आंखों, नाक और गले में जलन हो सकती है।

बेचैनी और पुरानी श्वसन-पथ की बीमारियाँ जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कमजोर समूहों को अधिक गंभीर परिणामों का अनुभव हो सकता है, जैसे श्वसन पथ की सूजन और संक्रमण, अस्थमा का बढ़ना, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और सेरेब्रोवास्कुलर स्ट्रोक। जिला सर्जन डॉ. ने बताया कि प्रदूषण के निम्न स्तर के लंबे समय तक संपर्क में रहने से पुरानी श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियां, फेफड़ों का कैंसर और समय से पहले मौत हो सकती है। डॉ अमरीश मोहबे ।

वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने के लिए आम नागरिकों द्वारा किये गये उपायः

वायु प्रदूषण के जोखिम को निम्न द्वारा कम किया जा सकता हैः

ज़ धीमी और व्यस्त सड़कें, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के पास के क्षेत्र, विध्वंस स्थल, कोयला खदानें जैसे अधिक प्रदूषण वाली जगहों पर जाने से बचें बिजली संयंत्रों और ईंट भट्टों आदि पर जाना टालना

ज़ बाहरी कार्यों को AQI स्तर और खराब से गंभीर AQI वाले कार्यों के अनुसार शेड्यूल करें दिन के दौरान घर के अंदर ही रहें।

ज़ हल्के से गंभीर एकेआई वाले दिनों में सुबह और देर शाम को पैदल चलना, दौड़ना, जॉगिंग करना और शारीरिक व्यायाम से बचें।

ज़ यदि आवश्यक हो तो सुबह और शाम के समय, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक खिड़कियां और दरवाजे न खोलें इस दौरान आप बाहर निकल सकते हैं.

ज़ लकड़ी, कोयला, जानवरों का गोबर, मिट्टी का तेल जैसे बायोमास जलाने से बचें। खाना पकाने और गर्म करने के प्रयोजनों के लिए स्वच्छ धुआं रहित ईंधन (गैस या बिजली) का प्रयोग करें। यदि बायोमास का उपयोग कर रहे हैं, तो साफ कुक स्टोव का उपयोग करें।

ज़ पटाखे जलाने से बचें.ज़ किसी भी प्रकार की लकड़ी, पत्तियां, फसल अवशेष और कूड़ा-कचरा खुले में जलाने से बचें ।ज़ सिगरेट, बीडी और संबंधित तंबाकू उत्पादों के सेवन से बचें। ज़ बंद परिसर में मच्छर मारने वाली क्वाइल और अगरबत्ती जलाने से बचें ।ज़ घर में झाड़ू लगाने या वैक्यूम करने की बजाय गीले कपड़े का इस्तेमाल करें। आप वैक्यूम करें यदि आप किसी क्लीनर का उपयोग करना चुनते हैं, तो ऐसे क्लीनर का उपयोग करें जिसमें उच्च दक्षता वाला पार्टिकुलेट एयर फ़िल्टर हो। ज़ आंखों को नियमित रूप से बहते पानी से धोएं और नियमित रूप से गर्म पानी से गरारे करें।

यदि आपको सांस लेने में परेशानी, चक्कर आना, खांसी, सीने में तकलीफ या दर्द, आंखों में जलन (लालिमा या पानी आना) हो तो अपने नजदीकी डॉक्टर से परामर्श लें। ज़स्वस्थ आहार, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल और सब्जियां खूब खाएं और खूब पानी पीकर अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें। वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों से बचने के लिए कमजोर आबादी वाले नागरिकों द्वारा किए जाने वाले उपायः

ज़ पुरानी बीमारियों जैसे तीव्र फुफ्फुसीय या हृदय संबंधी समस्याओं वाले रोगियों को निम्नलिखित कार्य करना चाहिए ।ज़ वायु प्रदूषण से बचने के लिए अधिक सावधानी ।ज़ यदि स्वास्थ्य स्तर खराब है तो कोई भी ज़ोरदार गतिविधि करने से बचें। खराब AQI स्तरों के दौरान लक्षण की गंभीरता को नियंत्रित करें ।ज़ डॉक्टर के निर्देशों का ठीक से पालन करें। डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं हर समय अपने पास रखें ।ज़ यदि आवश्यक हो तो तत्काल चिकित्सा सलाह लें।

किसानो को समर्थन मुल्य और मिले बोनस अन्यथा तीव्र आंदोलन -अशोक (गप्पू) गुप्ता

गुदमा में सरकारी धान खरेदी केंद्र का शुभारंभ

बुलंद गोंदिया। राज्य की शोषित सरकार के द्वारा किसानो के साथ अन्याय किया जा रहा है। किसानो के हित में निर्णय हो इस देश का किसान उन्नत और प्रगतिशील हो ऐसा बिल्कुल भी नही चाहती ऐसा स्पष्ट हो रहा है. किसानोपयोगी रासायनिक खत, कीटनाशक, बिजाई के दाम बड़ी मात्रा में बढ़ चुके है और सरकार के उदासीनता से अभी तक धान खरेदी केंद्र सुरु नही हो पाए.दिवाली के बाद में धान खरेदी के सुरु हुए जिससे निराशाजनक आज स्थिती है. दिपावली का यह खुशाली का त्योहार कोई भी किसान भाई मना नही सका यह बड़ी ही दु:ख की साथ में कहना पड़ रहा है.साथ ही किसानो का धान का समर्थन मूल्य और उनके हक का बोनस भी राज्य की सरकार नही दे रही है इस हेतु हम मांग करेंगे और यदी मांग पूरी नही हुई तो तीव्र आंदोलन किसानो के हित में करेंगे ऐसा कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष अशोक (गप्पू) गुप्ता ने गुदमा में धान खरेदी केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर कहा। इस दौरान राजकुमार (पप्पू) पटले उपसभापती, कृषि उत्पन्न बाजार समिती,गोंदिया, विजय उके संचालक, कृषि उत्पन्न बाजार समिती,गोंदिया, हिनाबाई मडावी सरपंच, श्यामभाऊ गणवीर, दुलीचंद भाकरे, श्यामलालजी बोहरे, संजय गणवीर, संस्था अध्यक्ष, सिद्धार्थ गणवीर, बलाराम गायधने, गजेंद्र हेमने, भुमेश्वर फुंडे, अशोक गणवीर, चक्रवती गणवीर, भुमेश्वर मेश्राम, लोकनायक रहांगडाले, श्यामकुमार गणवीर इत्यादी उपस्थित थे।

पुस्तकालय से हासिल किया जा सकता है लक्ष्य-डॉ. नामदेव किरसान

बुलंद गोंदिया। (प्रतिनिधी सालेकसा)-सालेकसातहसील के पिपरटोला (कोसमतरा) में संविधान दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उस अवसर पर जननायक शहीद बिरसा मुंडा सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा समन्वयक डॉ. नामदेव किरसान द्वारा किया गया । उद्घाटनिय भाषण में उन्होंने गांव-गांव पुस्तकालय की उपयोगिता बताते हुए कहा कि जिस तरह कांग्रेस सरकार ने गांव-गांव स्कूल की नीति अपनाई थी, उसी तरह गांव-गांव पुस्तकालय का होना जरूरी हो गया है। केंद्र की मोदी सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ स्कूलों का भी निजीकरण करने की नीति पर चल रही है, इसलिए किसानों, खेतिहर मजदूरों और मेहनतकश लोगों के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा को बंद करने की नीति लागू की जा रही है। जो लोग पढ़े-लिखे हैं, उन्हें अच्छे-बुरे का फर्क पता है और भाजपा विचारधारा वाले लोगों को अगली पीढ़ी नहीं बनने देने की मानसिकता लेकर बैठी है। भाजपा पूरी कोशिश कर रही है कि अगली पीढ़ी को शिक्षित होने से रोका जाए क्योंकि अगर छात्र पढ़-लिखकर तैयार हो जाएंगे तो भाजपा का झंडा कौन उठाएगा। यह कहते हुए उन्होंने बीजेपी की स्कूलों के निजीकरण की नीति का विरोध किया और सत्ताधारी पार्टी पर कटाक्ष किया. जो संविधान में नि:शुल्क शिक्षा के प्रावधान के विरूद्ध है यदि जनता को शिक्षा की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने के स्थान पर यदि इसका निजीकरण किया जाता है तो यह मामला आम जनता की शैक्षणिक प्रगति के लिए घातक है। इसलिए उन्होंने उनसे सतर्क रहने और इसका विरोध करने का आग्रह किया.

इसके साथ ही नई लाइब्रेरी के लिए प्रतियोगीता परीक्षा के लिए संपूर्ण सामान्य ज्ञान और नौकरी संदर्भ पुस्तकें डॉ. किरसान के माध्यम से दान देकर संविधान दिवस की शुभकामनाएं दि गई।

पूर्व अध्यक्ष श्रवण राणा, उप मुख्य अधिकारी गढ़चिरौली फरेंद्र कुथिरकर, पूर्व समूह शिक्षा अधिकारी यादवराव भोयर, मधुकर कुरसुंगे, यशवंत मलये, आरएम कोचबे, वासुदेव घरत, पूर्व जिल्हा परिषद सदस्य देवराव वडगये, सरपंच सिंधुताई घरत, जेडबी नायक, राजेश कुमार प्रधान, राजेश भोयर मंच पर मौजूद थे. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण नागरिक मौजूद थे।

बिरसा मुंडा ने संघर्ष के साथ-साथ बहुमूल्य सामाजिक कार्य भी किये-किरसान

बुलंद गोंदिया। (सालेकसा)-महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा समन्वयक डॉ. नामदेव किरसान ने क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के जीवन का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जब वे जमींदारों, मालगुजारों और अंग्रेजों से संघर्ष (उलगुलान) कर रहे थे, तब उन्होंने समाज सुधार का बहुमूल्य कार्य भी किया। जागरूकता एवं दैनिक जीवन में कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर सफलता प्राप्त करता है। बिरसा मुंडा के संघर्ष और सामाजिक कार्य सराहनीय थे । मंच पर डॉ. नामदेव किरसान के साथ विधायक कोरोटे, पंचायत समिति सदस्य अर्चनाताई मडावी, ग्राम पंचायत तीरखेड़ी की सरपंच प्रियाताई शरणागत, पूर्व समूह शिक्षा अधिकारी वाई.सी. भोयर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बबलू फुंडे, राजेश भोयर, रमन सलामे, जयश्री भोयर, अंजना सलामे, मनोज शरणागत, रेखाताई टेकाम, ममताताई मोहबे, मालनबाई धुर्वे, दिलीपजी बिसेन, सदाशिव कोठेवार, राजेंद्र बिसेन, कृष्णाजी पाटले, निकेश गावड़ एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बिरसी विमानतल पर ब तैयारियां अंतिम चरण में इंडिगो कंपनी के अधिकारी पहुंचे

गोंदिया-बिरसी विमानतल से यात्री विमान सेवाएं शुरू करने का दिन आखिरकार नजदीक आ चुका है. 1 दिसंबर से तिरुपति से हैदराबाद होकर गोदिया पहुंचकर गोंदिया से हैदराबाद तिरुपति के लिए इंडिगो का विमान उड़ान भरेगा. गोंदिया से लगे हुए अनेक जिलों को कम दूरी तय कर विमान यात्राओं का लाभ मिल सकेगा. 1 दिसंबर को यात्री विमानों के शुरू होने को लेकर जिले व आस पास के जिलों में आम ज़ नागरिकों, व्यापारी, अधिकारी वर्ग के साथ ही राजनीतिक क्षेत्र के लोगों में भी उत्साह है. निदेशक शाह ने लिया जायजा इंडिगो कंपनी द्वारा भी विमान सेवा का विधिवत समारोहपूर्वक शुभारंभ करने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है. विमानतल निदेशक शफीक शाह ने इंडिगो कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ विमान सेवा शुरू करने के संदर्भ में प्रारंभिक व आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने व सभी तैयारियां पूर्ण करने के दृष्टिकोण मुआयना किया, जानकारी के अनुसार विरसी विमानतल पर समारोहपूर्वक आयोजन के माध्यम से विमान सेवाओं का शुभारंभ किया जाएगा.

कारखानों के प्रदूषण ने बढ़ाई लोगों की परेशानियां प्रदूषण मंडल की कार्रवाई सिर्फ दिखावा

खेती की फसल खराब हो रही हैं

बुलंद गोंदिया। शासन के नियमों को ताक पर रखकर कारखानों में बड़े पैमाने पर प्रदूषण हो रहा है। बायलर चिमनी की ऊंचाई कम होना, नदी नालों में कारखानों का गंदा पानी डालना, गंदे पानी पर प्रक्रिया नहीं करने जैसे विभिन्न कारणों से परिसर में प्रदूषण सतत बढ़ता जा रहा हैं। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण मंडल की कार्रवाई केवल कागजों पर ही हो रही है इस तरह प्रदूषण कैसे नियंत्रित होगा सवाल किया जा रहा है। जिले की महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल क्षेत्र में औद्योगिकरण हुआ है. एमआईडीसी में स्थापित कंपनियां बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन करती हैं, लेकिन कुछ कारणों में चिमनी की उंचाई अधिक नहीं होने से बड़े पैमाने पर प्रदूषण हो रहा है. सतत फैल रहे प्रदूषण से आजू-बाजू के परिसर में उसका विपरीत असर पड़ रहा है। चिमनी की ऊंचाई कम होने से कंपनी या कारखाने के परिसर में खेती की फसल खराब हो रही हैं. कानून अनुसार कारखाने में उपयोग किए पानी को रिसायकलिंग करना चाहिए यह अनिवार्य है. जबकि अधिकांश कारखानों में पानी पर कोई भी प्रक्रिया किए बिना पानी नदी नालों में छोड़ा जाता है. कारखाने की धूल व कार्बन उत्सर्जन से जमीन की स्थिति व स्तर बिगड़ रहा है।

पानी में रसायन का प्रमाण बढ़ा

गंदे पानी पर प्रक्रिया नहीं करने से नदी व नालों के पानी में फेस आकर पानी का कलर बदलने की घटनाएं सामने आ रही है. पानी में रसायन का प्रमाण बढ़ा है. इस पानी पर अधिक प्रक्रिया नहीं होने से वही पानी नलों में पहुंचता है. जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है. बड़े पैमाने पर हवा और जल प्रदूषण हो रहा है।

58 लाख रुपये की वसुली हेतु जमीन गिरवीं होने के बावजुद डीएमओ द्वारा ओमेश्वर (बाबा) चौधरी को दिया जा रहा है नियमबाहय संरक्षण

डीएमओ पर कार्यवाही एवंम गिरवीं जमीन की विक्री कर शासकीय धान के गबन की वसुली की मांग को लेकर संचालक मंडल करेंगा पालकमंत्री का घेराव

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के ग्राम अदासी की विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था का चुनाव गत मई 2022 में संपन्न हुआ। जहां चाबी समर्थित ओमेश्वर (बाबा) चौधरी की पैनल की घान खरीदी में भारी भ्रष्टाचार और अफरा-तफरी के कारण करारी हार हुई तथा भारतीय जनता पार्टी समर्थित संचालक मंडल ने चुनाव जीता।

भारतीय जनता पार्टी के संचालक मंडल के पदभार संभालने के बाद से ही, ओमेश्वर (बाबा) चौधरी के साथ धान खरीदी के भारी भ्रष्टाचार में संलग्न डीएमओ द्वारा नए संचालक मंडल को गत डेढ वर्ष से प्रताड़ना किया जा रही है। छ्त्तीस द्वारा मई 2022 तक की धान खरेदी जो ओमेश्वर (बाबा) चौधरी द्वारा की गई थी, उक्त खरीदी पर 58 लाख रुपये की वसूली की मांग, नये संचालक मंडल से की जा रही है और नए संचालक मंडल को खरीफ 2023 में धान खरीदी करने से भी रोका जा रहा है, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों किसान अड़चन में आ गये है।

डीएमओ द्वारा ओमेश्वर (बाबा) चौधरी को विशेष छूट

धान खरेदी केन्द्रों के नियमानुसार, धान खरेदी के पूर्व संस्था एवंम छ्त्तीस के बीच बकायदा करारनामा किया जाता है। वहीं संचालक मंडल को किसी संचालक सभासद या ग्रैडर की 50 लाख रुपये कीमत की जमीन जमानत स्वरुप डीएमओ के नामगिरवीं करना अनिवार्य है। मई 2022 तक की धान खरीदी हेतु पुराने संचालक मंडल द्वारा ओमेश्वर (बाबा) चौधरी एवंम अन्य संचालकों के गट नंबर 104/2, 104/3, 813/1, 793/1, 166/1 व, 166/7, 166/8, 166/9, आदि की कुल करीब 3 हेक्टर 32 आर (करीब 10 एकड) जमीन डीएमओ के नाम गिरवीं है, जिसे विक्री कर 58 लाख रुपये की वसुली करने का ठराव विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था, अदासी की आमसभा में मंजुर कर डीएमओ को दिया गया है, लेकिन डीएमओ द्वारा बाबा चौधरी पर भारी भ्रष्टाचार के दबाव के कारण कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

ओमेश्वर चौधरी को नहीं मिली न्यायालय से राहत

संस्था की आमसभा के ठराव के बाद वसुली से बचने हेतु, डीएमओ की सलाह से ही बाबा चौधरी ने डीएमओ के विरुद्ध न्यायालय में याचिका दाखल कर जमीन नीलामी के विरुद्ध स्थगनादेश लेने का प्रयास किया, लेकिन न्यायालय से कोई स्थगनादेश नहीं होने के

बाबजुद, न्यायालयीन प्रकरण का कारण बताकर, डीएमओ बाबा चौधरी की गहण जमीन नीलाम कर वसुली करने की बजाये, नए संचालक मंडल से वसुली का दबाव बना रहे है और घान खरेदी केन्द्र बंद कर, पुन: ओमेश्वर बाबा चौधरी द्वारा ग्राम पोवारीटोला में चलाये जा रहे धान खरेदी केन्द्र पर ही किसानों को जाने के लिये मजबुर कर रहे है।

डीएमओ ओमेश्वर (बाबा) चौधरी के बीच धान खरेदी केन्द्र का करारनामा गायब जानकारी लेने पर अत्यंत गंभीर बात सामने आयी की, खरीफ 2019 से अदासी सेवा सहकारी के नाम पर धान खरेदी कर रहे बाबा चौधरी और छ्त्तीस के बीच धान खरेदी के लिये आवश्यक करारनामे की प्रतिलिपी छ्त्तीस ऑफीस से गायव हो चुकी है और उक्त करारनामे को गायब करने के पीछे भी डीएमओ का पुरा सहयोग ओमेश्वर (बाबा) चौधरी को है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

नए संचालक मंडल करेंगा पालकमंत्री का घेराव

नियमबाह्य शासकीय धान खरेदी बंद करने और सैकड़ों सभासदों सहीत किसानों को अडचन में डालनेवाले छ्त्तीस पर कड़ी कार्यवाही तथा ओमेश्वर (बाबा) चौधरी की डीएमओ के नाम गिरवीं जमीन विक्री कर, ओमेश्वर (बाबा) चौधरी द्वारा किये शासकीय धान के गबन की वसुली किये जाने की मांग को लेकर, आगामी जिला नियोजन समिती की सभा में, भाजपा समर्थित नवीन संचालक मंडल एवंम स्थानीक किसानों द्वारा पालकमंत्री का घेराव करने का निर्णय लिया गया है, यह विशेष उल्लेखनीय है।

कल से कामबंद करेंगे तहसीलदार लोगों के कई महत्वपूर्ण कार्य होंगे प्रभावित

गोंदिया-मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के आदेश के बावजूद ग्रेड पे लागू नहीं किए जाने के विरोध में गोंदिया और राज्य भर के तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों ने 1 दिसंबर से हड़ताल की चेतावनी दी है. चेतावनी महाराष्ट्र राज्य तहसीलदार व नायब तहसीलदार संघ के राज्य अध्यक्ष सुरेश बगडे व महाराष्ट्र राज्य राजस्व कर्मचारी संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण नरमवार व संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने दी है. इस बीच इस आंदोलन के कारण किसानों, छात्रों और नागरिकों के महत्वपूर्ण कार्य बाधित हो गए हैं. इससे पहले राज्य भर के तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने विभिन्न मांगों को लेकर 3 मार्च को अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया था. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने तहसीलदार एसोसिएशन की मांग को स्वीकार करते हुए राजपत्रित वर्ग 2 का ग्रेड वेतन 4,800 रुपए बढ़ाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर मंजूरी दे दी, किंतु तहसीलदार और नायब तहसीलदार एसो. का आरोप है कि अपर मुख्य सचिव ने अभी तक इस पर अमल नहीं किया है. राजस्व विभाग में तहसीलदार, नायव तहसीलदार को समय-समय पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां दी जाती हैं. उन्हें अलग-अलग कार्य साँप जाते हैं, किंतु वेतन बढ़ोतरी के मामले में देरी हो रही है. तहसीलदार, नायब तहसीलदारों के संगठन का कहना है कि यही वजह है कि हमने हड़ताल पर जाने का फैसला किया है. इस दौरान सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से इस आंदोलन में शामिल होने का अनुरोध किया गया है.

आपदाग्रस्तों को मुआवजे की प्रतीक्षा

1 वर्ष से कर रहे इंतजार, सरकार के खिलाफ नाराजी

गोंदिया-अगस्त से अक्टूबर 2022 में प्राकृतिक आपदा के चलते जिले के सैकड़ों मकान धराशायी हो गए थे. शासन ने नुकसान भरपाई का पंचनामा किया, किंतु 1 वर्ष बितने के बावजूद भी अब तक एक भी आपदाग्रस्तों को नुकसान भरपाई की निधि नहीं दी है. जिससे आपदाग्रस्तों में शासन के प्रति तीव नाराजगी है. 222 गांवों के नागरिकों के आवास व पशुओं की क्षति उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में जुलाई में जितनी बारिश होनी थी उतनी बारिश नहीं हुई थी. अग्रस्त व अक्टूबर में जोरदार बारिश हुई बारिश से जिले के कई मकान धराशायी हो गए थे. जिसमें आवास व जानवरों के तबेलों का समावेश था. शासन ने जब नुकसान भरपाई के पंचनामे शुरू किए तो बताया गया कि 222 गांवों के नागरिकों के आवास व पशुधनों के तबेलों को नुकसान पहुंचाने है. नुकसान भरपाई के लिए जिला प्रशासन ने शासन को प्रस्ताव प्रस्तुत कर 2 लाख रुपए की निधि की मांग की थी किंतु अभी तक एक रुपय भी जिला प्रशासन को शासन द्वारा नहीं दिया गया, जिसमें 22 गाया के आपद्ययस्तो को नुकसान को भरपाई नहीं मिल सकी है जिला प्रशासनने जानकारी दी कि गत वर्ष की बारिश में गोंदिया तहसील के 8, आमगांव तहसील के 11, सालेकसा तहसील के 11, देवरी तहसील के 77, अर्जुनी मोरगांव तहसील के 29, तिरोड़ा तहसील के 36 व गोरेगांव तहसील के 16 ग्रामों का समावेश है. इस प्रकार 222 गांवों के नागरिकों को नुकसान पहुंचा था.

मोटरसाइकिल पर अवैध रूप से शराब ले जाते हुए पकड़ा

गोंदिया-आमगांव तहसील के कट्टीपार मार्ग से मोटरसाइकिल पर अवैध रूप से शराब ले जाते हुए आरोपी को पकड़ा गया. कार्रवाई में 96 शराब की बोतल कीमत 6 हजार 720 रुपए का माल जब्त किया गया. आमगांव पुलिस को कालीमाटी बीट क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना मिली कि कट्टीपार गांव की ओर से एक दोपहिया वाहन से अवैध शराब ले जाया जा रहा है.पुलिस ने कट्टीपार रोड पर नाकाबंदी की. इस दौरान मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एपी 9067 को पकड़ा गया. जिस पर 96 बोतल देशी शराब पाई गई. जिसकी कीमत 6 हजार 720 रुपए बताई गई है. पुलिस ने जब्त कर कट्टीपार निवासी आरोपी दिलीप साखरे (48) को गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ आमगांव थाने में मामला दर्ज किया गया.

बकाया बिल जमा नहीं करने पर कार्रवाई

गोंदिया-गोंदिया शहर के नागरिक जिनके पास महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण का पीने के पानी का नल कनेक्शन है. जिन ग्राहकों पर जल भुगतान बकाया है, उनसे अनुरोध है कि बकाया राशि का भुगतान करें. ग्राहक पानी बिल की बकाया राशि का भुगतान नहीं करेंगे, उनका नल कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. जिन ग्राहकों के पास अवैध (बिना मीटर वाले) नल कनेक्शन हैं, उन्हें 15 दिनों के भीतर अपने नल कनेक्शन को नियमित करने का आखिरी मौका दिया जा रहा है.

गुरुनानक देव की पुजा-अर्चना कर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने प्राप्त किया आशिर्वाद

बुलंद गोंदिया। गुरु पुरब के पावन पर्व पर सिख समाज बंधुओं द्वारा आयोजित शोभायात्रा का पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने स्वागत कर सभी समाजबंधुओं को गुरु पुरब के पावन पर्व की लख लख बधाईयां दी एवंम गुरुनानक देवजी की पूजा-अर्चना कर आशिर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा एवंम शरबत वितरण कर शोभायात्रा का स्वागत गोंदिया शहर भाजपा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से शहर भाजपा अध्यक्ष अमीत झा, मंगतसिंग होरा, शासकीय संजयगांधी समिती अध् अशोक चौधरी, बिट्टू भाटिया, अजित गांधी, रेल्वे कमेटी सदस्य जसपालसिंग चावला, विन्नी गुलाटी, काक्कु गुलाटी, हरबनसिंग होरा, सिनु होरा, गुरुबच्चनसिंह बग्गा, बलजितसिंग बग्गा, आकाश बग्गा, मंजीत गुलाटी, प्रितमसिंगजी गुलाटी, राजा गुलाटी, सुरेन्द्रसिंग होरा, तिरर्थसिंग भाटीया, सप्रित होरा, बलबीरसिंग बग्गा, चरणसिंग जुनेजा, राजू बग्गा, राजेन्द्रसिंग बग्गा, महिंदरसिंग होरा, भुपेन्द्रसिंग जुनेजा, डॉ. बलदेव बग्गा, प्रितपाल जुनेजा, तजिन्दरसिंग छाबडा, किशनलाल बग्गा, हरजीतसिंग जुनेजा, इंद्रपालसिंग जुनेजा, रजनीशजी बग्गा (मिन्जी), चिनूजी बग्गा, डॉ. पाली बग्गा, हितेश बग्गा, गुरुमितसिंग चावला, धनवंतसिंग भाटीया, प्रितपालसिंग बग्गा, हरिश अरोरा, प्रमोद सचदेव, सतनामसिंगजी चावला, रिन्कू जुनेजा, बनारसीलाल अरो रा, सुरजीतसिंग गुरुदत्ता, नरेन्द्रसिंग गुलाटी, अजीतसिंग जसबीरसिंग गांधी, महेन्द्रसिंग गुलाटी, प्रितमसिंग गुलाटी, सुरजीतसिंग गुलाटी, टोनी होरा, परमजीतसिंग गुलाटी, हरपालसिंह होरा, बलवंतसिंह बग्गा, पृथ्वीपालसिंगजी गुलाटी, मनजीतसिंग गुलाटी, अमरजितसिंग भाटीया (गांधी), प्रितपालसिंग होरा (लवली), पप्पूजी अरोरा, जुगनू बग्गा, हरजितसिंग चावला, गुरुमुखसिंग रमानी, अर्जुनसिंग रमानी, गुरदयालसिंग रमानी, सतनामा रमानी व बड़ी संख्या में समाजबंधुओं के साथ महिलाए तथा युवा समाजबंधु भी उपस्थित थे।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

बेमौसम बारिश से हुए गोंदिया जिले के धान उत्पादक किसानों को नुकसान भरपाई दें सरकार- पूर्व पालकमत्री डॉ फुके

गोंदिया- हाल में विदर्भ के भंडारा और गोंदिया जिले में दो दिनों तक हुई बेमौसम बारिश से किसानों की खड़ी फसल और कटी फसल को भारी नुकसान हुआ है। दोनों जिलों के धान उत्पादक किसानों को शासन स्तर पर उचित मुआवजा मिलें इस हेतु आज मुंबई मंत्रालय में सरकार के समक्ष महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया। इस बैठक के दौरान भंडारा-गोंदिया जिले के पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके के साथ गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल उपस्थित थे। पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार के समक्ष हाल ही में जारी बेमौसम बारिश से धान की पैदावार को बड़ी क्षति का मामला सरकार के समक्ष रखा। श्री फुके ने कहा, धान उत्पादक किसानों की कटी फसल और खड़ी फसल को बेमौसम बारिश की वजह से भारी नुकसान हुआ है। वही किटजन्य की वजह से भी फसलें बर्बाद हुई है। सरकार ने किसानों के प्रति सकारात्मक रुख अपनाकर उन्हें नुकसान भरपाई जारी कर आर्थिक मदद देनी चाहिए। किसानों के इस गंभीर मसले पर सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए बेमौसम बारिश से हुए फसलों के नुकसान पर तत्काल पंचनामे प्रस्तुत करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर नुकसानग्रस्त धान उत्पादक किसानों को मदद का आश्वासन देने पर पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके ने सरकार का आभार व्यक्त किया।

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र नागपुर में 7 दिसंबर से

बुलंद गोंदिया(मुंबई)-महाराष्ट्र राज्य विधानसभा का शीतकालीन सत्र नागपुर में 7 दिसंबर 2023 से शुरू होगा जो 20 दिसंबर तक चलेगा। विधान भवन मुंबई में विधानसभा व विधान परिषद की कामकाज सलाहकार समिति की सभा आयोजित हुई जिसमें नागपुर सत्र के संदर्भ में चर्चा की गई। उपरोक्त सभा में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद उपसभापति डॉक्टर नीलम गोरे, विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिरवळ, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील, विधानसभा विरोधी पक्ष नेता विजय वडेट्टीवार,मंत्री तथा दोनों सभागृह के सदस्य तथा विधानसभा के सचिव जितेंद्र भोळे उपस्थित थे। शीतकालीन अधिवेशन गुरुवार 7 दिसंबर 2023 से बुधवार 20 दिसंबर 2023 इस समय अवधि में आयोजित किया जाएगा अधिवेशन की कालावधि 14 दिन छुट्टियों सहित तथा प्रत्यक्ष कार्य का 10 दिन तथा अवकाश शनिवार और रविवार चार दिवस के रहेंगे।

विधायक विनोद अग्रवाल का प्रयास
गोंदिया शहर में मंजूर हुए नए 1500 वक्रूशहरी आवास

बुलंद गोंदिया।क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल शहरी एव ग्रामीण जनता को घरकुल आवास योजना का लाभ देने हेतु सतत प्रयासरत रहे है। गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पिछले 4 मंजूर डीपीआर के कार्यो की शुरुवात के पश्चात अब 3 नए डीपीआर को मंजूरी प्रदान हुई है। विधायक विनोद अग्रवाल सतत राज्य व केंद्र सरकार की ओर पत्र व्यवहार कर शहरी क्षेत्र में जरूरतमंदों के लिए आवास योजना का लाभ हेतु मांग कर रहे थे। इसी मांग के तहत केंद्र सरकार की ओर से गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत 3 नए डीपीआर को मंजूरी प्रदान की गई है। मंजूर डीपीआर के तहत 1500 घरकुलों का लाभ जरूरतमंदों को प्राप्त होगा। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, जल्द ही शेष घरकुल की मांग हेतु भी सरकार से पत्र व्यवहार कर मांग करेंगे। हमारा प्रयास है कि, हर जरूरतमंद व्यक्ति के पास उसका आशियाना हो।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए वारिस बनकर 18.75 लाख रुपये किया ट्रांसफर

बुलंद गोंदिया- फर्जी दस्तावेजों के जरिए खुद को वारिस बताकर 18.75 लाख ट्रांसफर कर एक महिला से ठगी करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

शहर के आशीर्वाद कॉलोनी निवासी आरोपी ईश्वरीबाई माधोप्रसाद मतलानी (उम्र 78 वर्ष), राजकुमार माधोप्रसाद मतलानी (55), संजय माधोप्रसाद मतलानी (44), (आशीर्वाद कॉलोनी, फुलचुरटोला) ने झूठे और फर्जी रिकॉर्ड बनाए और उन्हें उपविभागीय अधिकारियों को सौंप दिया। व इन तीनो को माधोप्रसाद मतलानी की सभी संपत्तियों का वारिस बताय गया एव माधोप्रसाद मतलानी की सभी संपत्तियों में से फर्यादि तमन्ना उर्फ ममता सुरेशकुमार मतलानी (43) का नाम नहीं दिखाया गया है। आरोपियों ने माधोप्रसाद मतलानी के बैंक खाते से 18 लाख 75 हजार 550 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इतना ही नहीं, तमन्ना मतलानी को डोनेशन देने का झांसा देकर उनके साथ आर्थिक धोखाधड़ी भी की. ये सब 20 दिसंबर 2016 से 7 जुलाई 2023 के बीच हुआ. इस मामले में ग्रामीण पुलिस ने आरोपी ईश्वरी मतलानी, राजकुमार मतलानी और संजय मतलानी के खिलाफ आईपीसी की धारा 406, 420, 467, 468, 471, 177, 199, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक किरण मेश्राम कर रही हैं।

3 दिसंबर से दिव्यांगों का विभिन्न मांगों को लेकर धरना आंदोलन
30 नवंबर तक मांगे पूरी करने का मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। दिव्यांग कल्याणकारी संघटना गोंदिया द्वारा दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं की मांगे 30 नवंबर तक पूरी करने का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को दिया।मांगे पूरी न होने पर विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसंबर से जिलाधिकारी कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन करने की चेतावनी दी। गौरतलबहै की दिव्यांग यह समाज का अविभाज्य अंग होने तथा उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठने के लिए 1995 के नियम अनुसार समान अवसर, समान हक, अपंग पुनर्वसन कानून व दिव्यांग अधिनियम 2016 अमल में लाया गया, किंतु प्रशासनिक उदासीनता अधिकारियों की लापरवाही के चलते अभी भी दिव्यांग मुख्य प्रभाव में नहीं आए हैं। दिव्यांग बंधुओ की विभिन्न मांगो वह समस्या की मांग सरकार से की जा रही है लेकिन अब तक पूरी नहीं की गई है। अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौप कर 30 नवंबर तक मांगे पूरी करने की मांग की है। अन्यथा विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसंबर से जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन करने की चेतावनी दी है। निवेदन में विभिन्न मांगों में दिव्यांगों के लिए स्वतंत्र निराधार पेंशन योजना लागू कर ?5000 प्रति महीना दिया जाए, वर्तमान में मिलने वाली पेंशन 5 से 6 महीने तक नहीं मिलती उसे प्रत्येक महा नियमित किया जाए, 4त्न आरक्षण के अनुसार नियम लागू कर दिव्यांगों की शासकीय भारती तत्काल शुरू की जाए, बीज भांडवल योजना के अंतर्गत बैंकों में प्रलंबित आवेदनों को मंजूरी दी जाए, अगस्त माह में हुए शिविर में 600 दिव्यांगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं मिला उसे तत्काल देखकर दोषी अधिकारी व कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए, शासकीय मेडिकल कॉलेज में दिव्यांग बोर्ड के कर्मचारी व डॉक्टरों की लापरवाही पूर्ण तरीके से दिव्यांगों को 5 से 6 महीना तक प्रमाण पत्र नहीं मिलता, बोगस दिव्यांग प्रमाण पत्र धारकों पर कार्रवाई की जाए, 5त्न दिव्यांग निधि खर्च न करने वाले ग्राम सेवकों पर कार्रवाई, दिव्यांगों को ग्रामीण क्षेत्र के अनुसार शहर में भी दिव्यांगों को संपत्ति कर में छूट दी जाए, 200 यूनिट तक विद्युत बिल में छूट 30 बैटरी रिक्शा में 80त्न की शर्त को शिथिल कर 50त्न की जाए, दिव्यांग विवाह अनुदान 50हजार से बढ़कर ?2लाख तथा रोजगार व व्यवसाय के लिए दुकान व 200 फीट जगह देने की आदि मांगों का समावेश है। इस अवसर पर दिव्यांग कल्याणकारी संघटना गोंदिया के अध्यक्ष दीपक दिगंबर बंसोड़, उपाध्यक्ष सोभेलाल भोगाडे, सचिव दिनेश पटले ,कोषाध्यक्ष आकाश मेश्राम, योगेश लिल्हारे ,गोंदिया शहर अध्यक्ष हरीश गुप्ता, विनोद शेडे, राजू बरियेकर, अनूप बोरकर, योगेश पसीने, आदि उपस्थित थे।

जिले के मामा तालाबो को मिलेंगी संजीवनी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले को धान के कटोरे के अलावा तालाबो का जिला भी कहा जाता है क्योंकि ऐसा कोई गांव नहीं जहां पर तालाब ना हो। लेकिन उचित मरम्मत तथा देखभाल नहीं होने के कारण मामा तालाबो का अस्तित्व खतरे में आ गया है। जिसे देखते हुए शासन ने हाल ही में एक योजना तैयार की है जिसमे मामा तालाबो का पुनर्जीवन योजना के तहत कायाकल्प किया जाएगा। गौर तलब है कि गोंदिया जिले में 1 हजार 786 मामा तालाबो का निर्माण किया गया है। जिसकी सिंचाई क्षमता 41 हजार 968 हेक्टेयर है। जिनमें से 100 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता के 1 हजार 748 तालाब है और 100 हेक्टेयर से अधिक सिंचाई क्षमता वाले 38 मामा तालाब है। बारिश व तालाबो के पानी की सिंचाई से जिले में लगभग 2 लाख हेक्टेयर पर खरीफ फसल लगाई जाती है। इसलिए जिले को धान के कटोरे के रूप में जाना जाता है। लेकिन समय-समय पर मामा तालाबो की देखभाल तथा मरम्मत नहीं होने के कारण अनेक तालाब समतल हो चुके है। जिससे बारिश का मौसम समाप्त होते ही 3 से 4 माह में ही तालाब सूख जाते है। तालाबो की मरम्मत व देखभाल नहीं होने के कारण मामा तालाबो का अस्तित्व ही खतरे में आ गया है। बताया गया है कि जिले के 324 तालाबो की मरम्मत करना बहुत ही जरूरी हो गया है। इन तालाबो की मरम्मत के लिए सिंचाई विभाग ने शासन के समक्ष 57 करोड़ रूपए की डिमांड भी की है। उपरोक्त डिमांड मंजूर तो नहीं हुई लेकिन शासन ने एक नई योजना तैयार की है उस योजना का नाम मामा तालाब पुनर्जीवन योजना है। इस योजना के तहत आवश्यक मामा तालाबो की मरम्मत कर उन्हे पुनर्जीवित किया जाएगा। इस तरह की योजना का पत्र भी सिंचाई विभाग को प्राप्त हो चुका है। अब इस योजना से आस जग गई कि जिले के मामा तालाब पुनर्जीवित हो सकेगे। पुनर्जीवित करने की योजना क्रियान्वित

मामा तालाबो की मरम्मत करने के लिए सिंचाई विभाग की ओर से निधि की मांग की गई थी लेकिन शासन ने मामा तालाब पुनर्जीवित योजना क्रियान्वित की है। इस योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से मामा तालाबो को पुनर्जीवित करने का काम किया जाएगा। - **जी.बिसेन, अभियंता, सिंचाई विभाग, जिप, गोंदिया**

छत्रपति कालोनी में सोत्साह मनाया गया सामूहिक तुलसी विवाह

बुलंद गोंदिया। परमात्मा एक नगर की छत्रपति कालोनी के निवासी नागरिकों ने शनिवार 25 नवम्बर वैकुण्ठ चतुर्दशी की रात्रि में सामूहिक तुलसी विवाह का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र के लगभग 11 परिवारों ने कालोनी के शारदा उत्सव स्थल पर अपने अपने घरों के तुलसी गमले लाकर माँ तुलसी को परिधान एवं श्रंगार से सजाकर तथा आयोजन स्थल पर गन्ने का मंडप व आम के पत्तों के तोरण लगाकर आयोजन को गरिमामय बनाया। विधि विधान से पूजा अर्चना कर मंगलाष्टक के साथ तुलसी विवाह सम्पन्न किया गया। सभी ने एक दूसरे को तुलसी विवाह की बधाई दी एवंम सामूहिक स्वरूचिभोज का आनंद उठाया। समारोह के संयोजन में संदीप रहांगडाले, हेमंत लबादे, आशीष मिरासे, शुभम जायसवाल एवं कालोनी के अन्य युवकों ने विशेष योगदान दिया। समारोह में राधेश्याम रहांगडाले, प्रीतलाल लांजेवार,रवि गायधने,सुरेन्द्र जायसवाल, प्रधान, दीनदयाल मेश्राम, नारनवरे, बंटी दीक्षित, राहुल पारधी , राकेश भोगे, जांगजोड़े, श्रीमती छाया लबादे, कमलेश तिवारी,काजल अजीत, सरिता रहांगडाले, किरण जायसवाल, किरण लांजेवार, गीता मेश्राम,श्रीमती ज्योति कटरे,मिरासे, पलक रहांगडाले, सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे उपस्थित थे।

नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व में दूसरा पक्षी सर्वेक्षण 5 से 7 जनवरी तक

बुलंद गोंदिया। विभिन्न आवासों में रहने वाली विभिन्न पक्षी प्रजातियों का पता लगाने और उनका दस्तावेजीकरण करने और पक्षी विविधता का सर्व-समावेशी अध्ययन करने के लिए 5, 6 और 7 जनवरी 2024 के दौरान नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व में दूसरा पक्षी सर्वेक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।जो पक्षी प्रेमी उक्त पक्षी सर्वेक्षण में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें 6 दिसंबर 2023 को सुबह 10.30 बजे से 16 दिसंबर 2023 को रात 10 बजे तक केवल 50 स्थानों के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे और प्रति व्यक्ति 1600 रुपये का शुल्क लिया जाएगा। इसके लिए https://forms.gle/bwciEMmivjtDfnPo लिंक पर ऑनलाइन आवेदन पंजीकृत किया जा सकता है। इसके लिए आवेदन करने की सारी जानकारी तक्रकोड पर उपलब्ध है. हालांकि, नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व के दूसरे पक्षी सर्वेक्षण-2024 कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी इच्छुक पक्षी प्रेमियों को इस पर ध्यान देना चाहिए, नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व के उप निदेशक पवन जेफ ने जानकारी दी है।

प्रोत्साहन राशि 25 हजार करें: विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। पिछले विधानसभा सत्र में किसानों को 15 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया था, लेकिन विधायक विनोद अग्रवाल ने यह राशी बेहद कम होने की बात रखी थी। और इतने कम राशि में किसानों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा ऐसा मत व्यक्त किया था. किसानों को संतुष्ट करने के लिए प्रोत्साहन राशि बढ़ाए जाने की मांग करते हुए विधायक विनोद अग्रवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और मांग की कि प्रोत्साहन राशि कम से कम 25 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की जाए. इसपर राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (कृषि) को प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।